Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2022 GISRRJ | Volume 5 | Issue 3 | ISSN : 2582-0095

उच्च शिक्षा में अध्ययनरत् शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

(Study of attitude towards examination system of students of academic and professional courses studying in higher education)

डॉ. सर्वेश चन्द्र

(असिस्टेंट प्रोफेसर), एम.एड. विभाग, जी. एफ. पी. जी. कालेज, शाहजहांपुर

Article Information
Volume 5, Issue 3

Page Number : 01-07

Publication Issue :
May-June-2022

Article History
Accepted : 03 June 2022
Published : 30 June 2022

सारांश: – शिक्षा मात्र पठन-पाठन की क्रिया नहीं है हमारे जीवन के लिए एक ऐसी अनिवार्यता है जो हमें समाज के प्रगति में कुछ योगदान करने के लिए लायक बनाती है लेकिन जब हम आसपास के परिदृश्य पर दृष्टि डालते हैं तो लगता है कि हम अपने आप को शिक्षित करने में विफल रहे प्रस्तुत शोध "' उच्च शिक्षा में अध्ययनरत् शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन है। प्रस्तुत अध्ययन महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली से सम्बद्ध शाहजहांपुर जनपद के कुल 20 उच्च शिक्षा सस्थाओं का चयन किया गया है। जिसमें जनसंख्या एवं न्यादर्श के रूप में शैक्षिक पाठ्यक्रमों में से 400 विद्यार्थियों तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से 400 विद्यार्थियों, कुल 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, टी अनुपात का प्रयोग किया गया है। शोध अध्ययन में शून्य परिकल्पना का परीक्षण किया गया, शोध विधि के रूप में वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत् सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में उपकरण के रूप में शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित परीक्षा प्रणाली अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष में प्राप्त होता है कि उच्च शिक्षा स्तर के शैक्षिक तथा व्यवसाय दोनों ही पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के परीक्षा प्रणाली की प्रवृत्ति के अध्ययन में सकारात्मक अंतर पाया जाता है जबकि परीक्षा नियोजन के प्रति व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति शैक्षिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक है और उनमें आपस में कोई सार्थक अंतर भी नहीं है परीक्षा मूल्यांकन के संबंध में दोनों ही वर्ग के विद्यार्थियों की आवृत्ति सकारात्मक है तथा उन में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

मुख्य शब्दावली : उच्च शिक्षा, शैक्षिक, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, छात्र, परीक्षा प्रणाली, अभिवृत्ति, आदि।

प्रस्तावना :

किसी भी शिक्षा प्रणाली का टेस्ट परीक्षा प्रणाली लिटमस के माध्यम से होती है । यह विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, समाज में शिक्षा के स्तर तथा शिक्षा की उपयोगिता को स्थापित करने के मानक के रूप में कार्य करती है। वास्तव में परीक्षा शिक्षण का एक अभिन्न अंग है। अतः शैक्षिक

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

कैलेंडर में इसका स्थान एवं दायित्व शिक्षण से अलग करके नहीं देखा जा सकता है। परीक्षा परिणामों को मात्र छात्रों की शैक्षिक प्रगति का घोतक न मानकर संपूर्ण शिक्षा प्रणाली के विभिन्न अंगों को पृष्ठपोषण प्रदान कर संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देना चाहिए। विभिन्न प्रकार की परीक्षा प्रणाली जो उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में चल रही है, उसकी कार्यप्रणाली क्या है ? यह छात्रों के लिए कितनी उपयोगी और सहायक हो सकती है ? अतः छात्रों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति को ज्ञात करने का प्रयास प्रस्तुत शोध प्रपत्र में किया गया है जिससे यह ज्ञात होता किया जा सके कि परीक्षा के प्रणाली के किन क्षेत्रों में छात्रों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति सकारात्मक है तथा किन क्षेत्रों में सकारात्मक नहीं है। जिससे कि उन क्षेत्रों में सुधार करके परीक्षा प्रणाली को और अधिक उपयोगी तथा विश्वसनीय बनाया जा सके।

सिन्हा 1977, ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया तथा अध्ययन से प्राप्त किया कि वर्तमान परीक्षा व्यवस्था में गुण दोष दोनों हैं। छात्र, शिक्षक एवं अभिभावक वर्तमान परीक्षा व्यवस्था के प्रति असंतुष्ट पाए गए और वे चाहते हैं कि इसमें तत्काल सुधार किया जाए।

कुशवाहा 1985, ने कानपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली पर अध्ययन किया। कानपुर विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली से संबंधित ब्राह्य परीक्षकों, आंतरिक मूल्यांकन, प्रश्न पत्रों, केंद्रीय मूल्यांकन तथा परीक्षाओं का संचालन की विवेचना पर अभिकल्पित था। अध्ययन का मुख्य परिणाम पाया गया कि विषय समूह सम्बंधित सेमेस्टर और वार्षिक के अपरिवर्तित अंकों की तुलना में पुनः मूल्यांकन के कारण अंकों में परिवर्तन के केस अधिक थे। 10% से अधिक या कम अंक पाने वाले छात्रों की संख्या में वार्षिक वृद्धि पाई गई। परिणामों में कोई परिवर्तन न होने वाले केसों का प्रतिशत परिणाम में परिवर्तन की अपेक्षा कम पाया गया।

लारा, जोसेफ एवं रिचर्ड 1989, ने छात्रों की ओर केंद्रित तत्कालीन सुधार कानून के प्रभाव का परीक्षण एवं सुधार संबंधी प्रभाव के प्रति छात्रों के प्रत्यक्षण का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि विद्यार्थी विद्यालय को मौज- मस्ती के स्थान के रूप में नहीं देखते हैं। विद्यार्थी महसूस करते हैं कि ग्रेडिंग अब कठिन हो गई है तथा अधिकांश विद्यार्थी फेल हो रहे हैं और मध्य में पढ़ाई भी छोड़ रहे हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं इस परिवर्तन में आसानी से अनुकूलित हो जाती हैं। एकत्रित आंकड़ों तथा शोधार्थी द्वारा निकाले गए निष्कर्षो के आधार पर अध्ययन साउथ सन एंटोनियो स्वतंत्र विद्यालय की शैक्षिक प्रणाली में परिवर्तन की सिफारिश करता है।

दूबे 2003, ने में उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय स्तर पर वर्तमान परीक्षा प्रणाली में सुधार के संबंध में अध्ययन विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं समुदाय के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन किया। जिसमें प्रयोग कर पाया कि पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों ने वर्तमान शिक्षा पद्धति के प्रति असंतुष्टि व्यक्त की है। दूसरे शब्दों में पुरुष तथा महिला विद्यार्थियों ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली में सुधार के अनुकूल प्रतिक्रिया व्यक्त की। पुरुष तथा महिला अध्यापकों ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली के प्रति असंतुष्टि व्यक्त की। दूसरे शब्दों में पुरुष तथा महिला अध्यापकों ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली में सुधार के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया व्यक्त की। उच्च, मध्यम तथा निम्न आर्थिक स्तर वाले अभिभावकों ने वर्तमान परीक्षा पद्धति के प्रति असन्तुष्टि व्यक्त की। दूसरे शब्दों में उच्च, मध्यम तथा निम्न आर्थिक स्तर वाले अभिभावकों ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली में सुधार के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया व्यक्त की।

वांग 2007, ने चीन में स्वाध्यायरत् विद्यार्थियों हेतु राज्य प्रशासित उच्च शिक्षा की परीक्षा प्रणाली का अध्ययन किया। इस अध्ययन में चीन में रह रही विशाल ग्रामीण जनसंख्या हेतु उच्च शिक्षा परीक्षा पद्धति को अधिक सार्थक और उपयोगी बनाने पर बल दिया। जिसमें प्रशासनिक संरचना, परीक्षा प्रक्रिया, उपलब्ध विषय, विद्यार्थियों का विवरण, शैक्षिक सहायता विधियां तथा तकनीकों पर विशेष बल दिया गया।

उपयुक्त अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि परीक्षा शिक्षण का एक अभिन्न अंग है। परीक्षा परिणाम मात्र विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति का घोतक न होकर संपूर्ण शिक्षण प्रणाली के विभिन्न अंगों को पृष्ठ पोषण कर संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता बढ़ाने में सकारात्मक योगदान देती है। इसी बिंदु को ध्यान में रखते हुए यह प्रासंगिक है कि यह अवलोकित किया जाए कि विभिन्न प्रकार की परीक्षा प्रणाली जो उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में चल रही है वो विद्यार्थियों के लिए कितनी उपयोगी और सहायक है ।

अध्ययन के उद्देश्य :

शोध अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

1. उच्च शिक्षा के शैक्षिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा प्रणालियों के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना
2. उच्च शिक्षा के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा प्रणालियों के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करना
3. उच्च शिक्षा के शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा प्रणालियों के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति की तुलना करना
4. उच्च शिक्षा के शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा मूल्यांकन के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति की तुलना करना

शोध परिकल्पना :

1. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति में अंतर है ।
2. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा नियोजन के प्रति अभिवृत्ति में अंतर है।
3. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा संचालन के प्रति अभिवृत्ति में अंतर है।
4. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में अंतर है।

शून्य परिकल्पना

1. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।
2. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा नियोजन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।
3. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा संचालन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।
4. उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

समस्या कथन :

प्रस्तुत शोध कथन "उच्च शिक्षा में अध्ययनरत् शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन" है।

समष्टि तथा न्यादर्श:

प्रस्तुत समस्या के अध्ययन हेतु महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली से सम्बद्ध शाहजहांपुर जनपद के नियमित एवं वित्त पोषित शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक व परास्नातक के विद्यार्थी हैं। न्यादर्श के रूप में शाहजहांपुर जनपद में अध्ययनरत् शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के 400-400 विद्यार्थियों को लिया गया है । इस प्रकार कुल 800 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है ।

शोध उपकरण :

प्रस्तुत समस्या के अध्ययन के लिए "परीक्षा प्रणाली अभिवृत्ति मापनी" का शोधार्थी द्वारा स्वयं निर्माण किया गया है।

अभिवृत्ति मापने का निर्माण:

इस मापनी में महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली से सम्बद्ध शाहजहांपुर जनपद के शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा प्रणाली के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। इस उपकरण को परीक्षा प्रणाली की तीन विमानों परीक्षा नियोजन, परीक्षा संचालन तथा परीक्षा मूल्यांकन में विभक्त करके किया गया है। प्रत्येक बीमाओं के प्रति एकांश के लिए लिकर्ट मापनी पर आधारित तीन विकल्प अनुकूल, उदासीन तथा प्रतिकूल लिए गए हैं। तीनों विकल्पों में से किसी एक पर सही का निशान लगाकर विद्यार्थी तथा शिक्षक को अपनी प्रतिक्रिया देना है। इस अभिवृत्ति मापनी में कुल 45 प्रश्नों का निर्माण किया गया है।

प्रदत्त संकलन :

प्रदत्तो के संकलन के लिए परीक्षा प्रणाली अभिवृत्ति मापनी की सहायता से महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली से सम्बद्ध शाहजहांपुर जनपद में अध्ययनरत् 800 विद्यार्थियों से आंकड़े एकत्रित किए गए हैं।

प्रदत्त विश्लेषण :

आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, टी अनुपात का प्रयोग किया गया है।

तालिका संख्या 01

शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति की तुलना।

पाठ्यक्रम	N	M	Sd	T अनुपात
शैक्षिक पाठ्यक्रम	400	108.26	5.92	0.127
व्यावसायिक पाठ्यक्रम	400	108.31	6.32	
योग	800			

★ 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

तालिका 01 में परिगणित टी-अनुपात का मान 0.127 है जो कि द्विपुच्छीय सार्थकता परीक्षण के मुक्तांश(df) - 798 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणी मान 1.98 से कम है, अतः 0.05 स्तर पर असार्थक है। इसीलिए शून्य परिकल्पना की " उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है" को स्वीकार किया जाता है। अर्थात् शैक्षिक तथा व्यावसायिक दोनों ही पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है। चूंकि दोनों प्रकार के

पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के अभिवृत्ति मध्यमान 90 से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में परीक्षा प्रणाली के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पाई जाती है।

तालिका संख्या 02

शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा नियोजन के प्रति अभिवृत्ति की तुलना ।

पाठ्यक्रम	N	M	Sd	T अनुपात
शैक्षिक पाठ्यक्रम	400	33.91	3.15	2.418
व्यावसायिक पाठ्यक्रम	400	34.43	3.04	
योग	800			

★0.05 स्तर पर सार्थक है।

तालिका संख्या 02 में परिगणित टी-अनुपात का मान 2.418 है जो कि द्विपुच्छीय सार्थकता परीक्षण के मुक्तांश (df) 798 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणी मान 1.98 से अधिक है, अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। इसीलिए शून्य परिकल्पना कि "उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा नियोजन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है" को अस्वीकार किया जाता है। अर्थात् 0.05 सार्थकता स्तर पर यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक तथा व्यावसायिक दोनों ही पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा नियोजन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है। चूंकि व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का मध्यमान शैक्षिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के मध्यमान से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शैक्षिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अपेक्षा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में परीक्षा नियोजन के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति पायी जाती है।

तालिका संख्या 03

शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा संचालन के प्रति अभिवृत्ति की तुलना ।

पाठ्यक्रम	N	M	Sd	T अनुपात
शैक्षिक पाठ्यक्रम	400	38.86	3.47	1.346
व्यावसायिक पाठ्यक्रम	400	38.53	3.50	
योग	800			

★ 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

तालिका संख्या 03 में परिगणित टी-अनुपात का मान 1.346 है, जो कि द्विपुच्छीय

सार्थकता परीक्षण के मुक्तांश (df) 798 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणी मान 1.98 से कम है, अतः 0.05 स्तर पर असार्थक है। इसलिए शून्य परिकल्पना कि "उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा संचालन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है", को स्वीकार किया जाता है। अर्थात् शैक्षिक तथा व्यावसायिक दोनों ही पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा संचालन के

प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है। चूंकि दोनों प्रकार के पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के अभिवृत्ति मध्यमान 30 से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थी परीक्षा संचालन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं।

तालिका संख्या 04

शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का परीक्षा मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति की तुलना।

पाठ्यक्रम	N	M	Sd	T अनुपात
शैक्षिक पाठ्यक्रम	400	35.50	2.83	0.678
व्यावसायिक पाठ्यक्रम	400	35.35	3.11	
योग	800			

★ 0.05 स्तर पर सार्थक नही है।

तालिका संख्या 04 में परिगणित टी-अनुपात का मान 0.678 है जो कि द्विपुच्छीय सार्थकता परीक्षण के मुक्तांश(df) 798 के 0.05 सार्थकता स्तर के सारणी मान 1.98 से कम है। अतः 0.05 स्तर पर असार्थक है। इसलिए शून्य परिकल्पना कि " उच्च शिक्षा स्तर पर शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है", को स्वीकार किया जाता है । अर्थात् शैक्षिक तथा व्यावसायिक दोनों ही पाठ्यक्रमों के अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं है। चूंकि दोनों प्रकार के पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के अभिवृत्ति मध्यमान 30 से अधिक है। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि शैक्षिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों में परीक्षा मूल्यांकन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं।

निष्कर्ष :

अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित है।

उच्च शिक्षा स्तर के शैक्षिक तथा व्यावसायिक दोनों ही पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के परीक्षा प्रणाली के प्रति अभिवृत्ति के अध्ययन से स्पष्ट है कि दोनों ही पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति परीक्षा प्रणाली के प्रति सकारात्मक है तथा उनमें आपस में कोई सार्थक अंतर नहीं है जबकि परीक्षा नियोजन के प्रति व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति शैक्षिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक सकारात्मक है तथा उनमें आपस में सार्थक अंतर भी है। परीक्षा संचालन तथा परीक्षा मूल्यांकन के संबंध में दोनों ही वर्ग के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति सकारात्मक है तथा उनमें कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

सुझाव:

अध्ययन के निष्कर्ष से यह स्पष्ट है कि परीक्षा नियोजन के संदर्भ में शैक्षिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति अपेक्षाकृत कम सकारात्मक है। अतः परीक्षा नियोजन के प्रमुख बिंदुओं जैसे प्रश्न पत्र निर्माण, प्रश्नों की प्रकृति, आदि में सुधार कर परीक्षा प्रणाली को अधिक सार्थक बनाया जा सकता है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

[1]. अग्रवाल, जे.सी., 2007, इसेन्सियल्स आँफ एग्जामिनेशन सिस्टम, इवैल्यूएशन टेस्ट एंड मेजरमेंट, दिल्ली, विकास पब्लिसिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड,

[2]. गुप्ता, एस.पी.,2002 , स्टैटिस्टिक्स मेथेड, इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन,

[3]. सिंह, अरुण कुमार , 2002 ,"शिक्षा शशास्त्र, मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र में शोध विधियां, नई दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन

[4]. कुशवाहा, ए .एस.,1985, सिस्टम आफ एग्जामिनेशन इन कानपुर यूनिवर्सिटी, पीएचडी शोध ग्रंथ, शिक्षाशास्त्र, छत्रपति शाहूजी महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर

[5]. दुबे, प्रसाद राजेंद्र, 2000, एटीट्यूड आफ स्टूडेंट आफ हायर एजुकेशन टूअर्डस एग्जामिनेशन सिस्टम, ए डाक्टोरल थीसिस इन एजुकेशन फैकल्टी आँफ एजुकेशन, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, बनारस,

[6]. भटनागर, सुरेश एवं सक्सेना 2005, शिक्षा मनोविज्ञान, लायल बुक डिपो, मेरठ।

[7]. गैरेट, हेनरी (999, शिक्षा एवं मनोविज्ञान सांख्यिकीय, कल्याणी पब्लिशर्स।

[8]. कपिल, एच.के. 1998, अनुसंधान विधियां, एच.पी. भार्गव बुक हाउस, आगरा।

[9]. शर्मा, आर. ए. 2008, शिक्षा अनुसंधान, लाल बुक डिपो, मेरठ .

[10]. रेड्डी, वी. मलिकार्जुन 2010, ए स्टडी आँफ टीचिंग एटीट्यूट, सोशल एडजेस्टमेंट एंड जॉब सेटिस्फेक्शन आफ सेकेंडरी स्कूल साइंस टीचर्स, शोध प्रबंध शिक्षाशास्त्र, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश ।

[11]. मौर्य, एच.सी. 1990, विश्वविद्यालय और पूर्व विश्वविद्यालयी व्याख्याताओं की शैक्षिक दक्षता व्यक्ति और अभिवृत्ति के बीच संबंध के अध्ययन का प्रयास, पीएचडी शोध प्रबंध, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा।

[12]. भावना, 2005, देवीपाटन के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की ऊर्जा शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति को प्रभावित करने वाले कारकों एवं योग्यता व्यक्तित्व विशेषताओं के संबंध का अध्ययन, शोध प्रबंध शिक्षाशास्त्र, डॉ राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय फैजाबाद।